उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण)

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय, उ०प्र० जल निगम(ग्रामीण),

निकट टोल प्लाजा, मड़वानगर, बस्ती-272002

ई-मेल: eeupjnruralbasti@gmail.com

पत्रांक 416/m-3/53 **दिनांक** 19/06/2026

सेवा में,

जिलाधिकारी,
बस्ती ।

विषयः– **दैनिक समाचार पत्र 'स्वतंत्र प्रभात' में दिनांक 19.06.2026 को प्रकाशित खबर " भ्रष्टाचार की भेंट चढा जल जीवन मिशन योजनाः पानी भरते ही 'वाटरफाल' बनी लाखों की टंकी, सवालों के घेरे में पूरी व्यवस्था" के नकारात्मक क्लीपिंग के सम्बन्ध में।**

महोदया,

उपरोक्त विषयक दैनिक समाचार पत्र 'स्वतंत्र प्रभात' में दिनांक 19.06.2026 को प्रकाशित खबर " भ्रष्टाचार की भेंट चढा जल जीवन मिशन योजनाः पानी भरते ही 'वाटरफाल' बनी लाखों की टंकी, सवालों के घेरे में पूरी व्यवस्था" के नकारात्मक क्लीपिंग का संदर्भ ग्रहण करने की कृपा करें जिसकी आख्या निम्नवत हैः–

प्रकशित खबर	आख्या
केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। लेकिन बस्ती जिले में इस योजना के क्रियान्वयन की हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। जिले के राजपुर क्षेत्र में बनी एक पानी की टंकी में जैसे ही पानी भरा गया। टंकी की दीवारें जवाब दे गईं और देखते ही देखते पानी तेज धार के साथ बाहर निकलने लगा। कुछ ही मिनटों में पूरी टंकी किसी झरने या वॉटरफॉल का नजारा पेश करने लगी।	दैनिक समाचार पत्र 'स्वतंत्र प्रभात' में दिनांक 19.06.2026 को प्रकाशित खबर " भ्रष्टाचार की भेंट चढा जल जीवन मिशन योजनाः पानी भरते ही 'वाटरफाल' बनी लाखों की टंकी, सवालों के घेरे में पूरी व्यवस्था" के संबंध में अवगत कराना है कि बस्ती जनपद के कुदरहा राजस्व ग्राम अन्तर्गत राजपुर भैरवा में निर्मित शिरोपरि जलाशय से विगत एक माह से अधिक समय से नियमित जलापूर्ति की जा रही थी परन्तु कल दिनांक 17.06.2026 को शिरोपरि जलाशय में पानी भरते समय अचानक तेजी से पानी बाहर आने लगा जिसके उपरान्त शिरोपरि जलाशय को तत्काल प्रभाव से खाली करा दिया गया एवं जिंक एल्युमिना टैंक का अधिष्ठापन करने वाली फर्म " मेसर्स वेदांटेक को सूचित किया गया । मेसर्स वेदांटेक के इंजीनियर श्री मनीष कुमार द्वारा मौके पर जॉच कराने के उपरान्त बताया कि धारदार वस्तु/हथियार से टंकी के अन्दर लगा हुआ पी0वी0सी0 लाईनर को क्षतिग्रस्त किया गया है ,जिस कारण पानी का दबाव पड़ने पर अचानक से लाइनर फटने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। तदोपरान्त मेघा इंजीनियरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर के एस0पी0एम0 श्री चन्द्रशेखर को क्षतिग्रस्त लाइनर बदलते हुए 24 घण्टे के अन्दर पेयजल आपूर्ति बहाल करने हेतु निर्देशित किया गया । उक्त घटना की नामजद प्राथमिकी निकट थाना कलवारी में दर्ज करा दिया गया है । चूँकि यह घटना अराजक तत्वों द्वारा कारित है अतः सोशल मीडिया में प्रसारित उक्त ,खबर का विभाग खण्डन करता है। सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

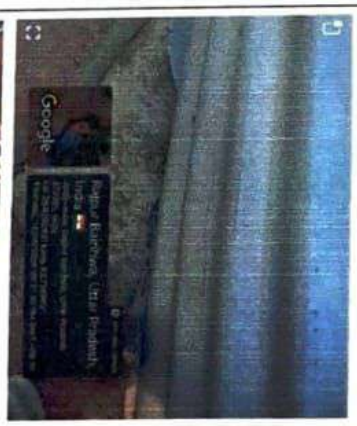

भवदीय,

(एस रहमान)
अधिशासी अभियन्ता

पृ0सं0 तथा दिनांक तदैवः–

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित ।

1. मुख्य अभियन्ता(ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), लखनऊ ।
2. मुख्य अभियन्ता(गो0क्षे0), मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), गोरखपुर।
3. अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), बस्ती।

अधिशासी अभियन्ता